



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3]
No. 3]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 17, 1986/पौष 27, 1907
NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 17, 1986/PAUSA 27, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके ।

Separate Faging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अन्तर्गत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब(1)
के अधीन सूचनाएं

कानपुर, 15 जनवरी, 1986

निर्देश नं. एम. डी. 280/85-86 - - अतः मुझे, एच. आर. दास,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात्
'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सूचना प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. 80/4 है तथा जो
प्रमोरी रोड में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर
में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
रजिस्ट्रार सं० 4640, तारीख 10-4-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्र प्रमाणित से अधिक है अन्तरक (अन्तरकी)
और अन्तरित (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, निम्न में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों की जिन्हें
भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, मैं उक्त
अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित
व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री अश्वयाम दास, एडवोकेट
शेरव का मस्जिद,
मुजफ्फरनगर ।

(अन्तरक)

2. सुभाष चन्द मिश्र,
द्वारा शंकर मिश्रान भण्डार,
असं. रोड मुजफ्फरनगर।

(अन्तरितः)

3. श्री/श्रीमती/कुमारः उपरोक्त (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारः उपरोक्त (वह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षर जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां
शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी
आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की
अवधि, या तत्सम्बन्धे व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन
की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के अन्तर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के
अन्तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किन्हीं अन्य व्यक्ति
द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची:

दुकान नं. 80/4, स्थित असं. रोड,
मुजफ्फरनगर।

तारीख: 15-1-86

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX (ACQUISITION RANGE)

Notices Under Section 269D (1) of the Income-Tax
Act, 1961 (43 of 1961)

Kanpur, the 15th January, 1986

M.D.280|85-86 :—Whereas, I, H. R. Das, being the
Competent Authority authorised by the Central
Government in this behalf under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter re-
ferred to as the said Act, have reason to believe that
immovable property having a fair market value ex-
ceeding Rs. 1,000,000 and bearing No. 80|4 situated
at Ansari Road, Muzaffar Nagar (and more fully
described in the schedule below) has been transfer-
red and registered under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Muzaffar Nagar under registration No. 4640 dated
10-4-1985 for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property
by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the transferor(s) and trans-
feree(s) has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Ghanshyam Dass, Advocate,
R/o. Bhairon Ka Mandir,
Muzaffar Nagar.

(Transferor)

2. Shri Subhash Chand Mittal,
C/o. Shanker Mishran Bhandar,
Ansari Road, Muzaffar Nagar.

(Transferee)

3. Shri/Smt. -Do-

[Person(s) in
occupation
of the property].

4. Shri/Smt. -Do-

(Persons whom the
undersigned knows to be
interested in the
property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under-
signed :—

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-
ever period expires later.
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 80|4, Situated at
Ansari Road, Muzaffar Nagar.
Date : 15-1-1986.

SEAL.

*Strike off where not applicable.

निर्देश नं. एम. डी. 28/85-86--अतः मुझे, एच. आर. दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) का धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसका सं. 80/2 है तथा जो अंसारी रोड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन रजिस्ट्रार सं० 4849, तारीख 12-4-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दूरवर्तमान प्रतिकर के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरवर्तमान प्रतिकर से, ऐसे दूरवर्तमान प्रतिकर के पद्धति प्रमाण से अधिक है अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिक (अन्तरिक) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पादा गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य सम्पत्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अन्तर्याम दास, एडवोकेट, (अन्तरक)
S/o गिरिलाल सरवट,
मुजफ्फरनगर।
2. श्री सुभाष चन्द मिश्र, (अन्तरिक)
C/o शंकर मिश्रान भण्डार,
अंसारी रोड,
मुजफ्फरनगर।
3. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके
उपरोक्त अधिनियम में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में
उपरोक्त अधोलिखित जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति को अन्तर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोलिखित के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया गया है।

अनुसूची

बुकान नं. 80/2, स्थित अंसारी रोड
मुजफ्फरनगर।

तारीख: 15/1/86

मोहर:

(जो लागू न हो उस काट बंजिए)

M.D. 28/85-86.—Whereas I, H. R. Dass, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 80/2 situated at Ansari Road, Muzaffar Nagar (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffar Nagar under registration No. 4849 dated 12-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Ghanshyam Dass,
S/o, Giri Lai Saravat,
R/o Bharav Ka Mandir
Muzaffar Nagar

(Transferor)

2. Shri Subhash Chand Mittal,
C/o Shankar Mishran Bhandar,
Ansari Road, Muzaffar Nagar.

(Transferee)

3. Shri/Smt. -Do-

[Person(s) in
occupation
of the property].

4. Shri/Smt. -Do-

(Persons whom the
undersigned knows to be
interested in the
property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later).
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 80/2,
Situated at Ansari Road,
Muzaffar Nagar.

Date : 15-1-1986.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निवेश नं. एम. डी.-283/85-86.--अतः मुझे, एच. आर. दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसके परचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधिनियम सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. 80/3 है तथा जो अंसारी रोड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 'रजिस्ट्रार' सं० 4847, तारीख 29-4-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरितः (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बनश्याम दास, एडवोकेट,
भैरो का मन्दिर,
मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लता मिश्र, पत्नी श्री सुभाष चन्द्र मिश्र
द्वारा संकर मिष्ठान भण्डार,
अंसारी रोड,—मुजफ्फरनगर। (अन्तरकी)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी —उपरोक्त— (वह व्यक्ति, जिसके अधिभास में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी —उपरोक्त— (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुकान नं. 80/3, स्थित अंसारी रोड, मुजफ्फरनगर.

तारीख : 15-1-86

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

MD-283/85-86.—Whereas, I, H. R. Das, being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 80/3 situated at Ansari Road, Muzaffar Nagar (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffar Nagar under Registration No. 4847 date 29-4-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian

Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

1. Shri Ghanshyam Dass Advocate R/o Bhairav Ka Mandir, Muzaffar Nagar—(Transferor)
2. Smt. Lata Mittal W/o Subhash Chand Mittal C/o Shankar Mishthan Bhandar, Ansari Road, Muzaffar Nagar.—(Transferee)
3. Shri/Smt. Do- [Persons in occupation of the property].
4. Shri/Smt Do- (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 80/3, Situated at
Ansari Road, Muzaffar Nagar.

Date : 15-1-1986.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश नं. एम. डी. 284/85-86.—अतः मुझे एच. आर. दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमके पञ्चम 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269अ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. 80/1 है तथा जो अंसारी रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन रजिस्ट्रीकरण सं. 542-तारीख 29-1-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के

दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गत्यापूर्वीक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए न्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण, लिखित में शान्तिपूर्ण रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए आर/मा;
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिनमें भारत में आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ का उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री घांश्याम दास एडवोकेट (अन्तरक)
नि. बेरवा का मन्दिर,
मुजफ्फरनगर
2. श्री विशन लाल मिश्र पुत्र श्री बृज लाल (अन्तरिती)
रैदासपुरी
मुजफ्फरनगर
3. श्री/श्रीमती/कुमारी उपरोक्त (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
4. श्री/श्रीमती/कुमारी उपरोक्त (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 80/1 स्थित अंसारी रोड

मुजफ्फरनगर।

तारीख : 15-1-86

मोहर :

[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

M.D.284/85-86.—Whereas, I H. R. Das being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 80/1 situated at Ansari Road, M. Nagar (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffar Nagar under Registration No. 5492 date 29-4-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- Shri Ghanshyam Das Advocate R/o Bhairav ka Mandir, Muzaffar Nagar. —(Transferor)
- Shri Bishan Lal Mittal S/o Shri Budhoomal R/o Raidas Puri, Muzaffar Nagar.
(Transferee)
- Shri/Smt. Do- [Person(s)]
in occupation of the property]
- Shri/Smt. Do- (Persons)
whom the undersigned
knows to be interested in
the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 80/1, Situated at,
Ansari Road, Muzaffar Nagar.

Date : 15-1-1986.

SEAL.

* Strike off where not applicable.

कानपुर, 14 जनवरी, 1986

निदेश नं. एम. डी.-285/85-86.—अतः मुझे एच. आर. दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269B के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. 80/1 से 80/4 है तथा जो सखट गेट मु. नगर में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में औरपूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन रजिस्ट्रेशन सं. 5492, 4849, 4640 और 4847, तारीख अप्रैल, 1985 को प्रतीति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथावर्तमान सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम, निम्नलिखित उद्देश्यों में युक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य संपत्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269B की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

- श्री घनश्याम दाम S/o गिरी लाल (अन्तरक)
नि. औरों का मंदिर
मुजफ्फरनगर।
- श्री सुभाष चन्द्र मित्तल, लता मित्तल (अन्तरिती)
बिशन लाल मित्तल C/o शंकर मिश्रा
अण्डार, अंसारी रोड,
मुजफ्फरनगर।
- श्री/श्रीमती/कुमारी केतागण (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- श्री/श्रीमती/कुमारी केतागण (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधो-हस्तशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 30क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति संख्या 80/1 से 80/4

सरबत गेट,

मुजफ्फरनगर।

तारीख : 14-1-86

एच. आर. दास, मुख्य अधिकारी,

मोहर:

(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),
(अर्जन रेंज), कानपुर

[जो लागू न हो उसे काट दीजिए]

Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Shri Ghanshyam Dass S/o Gini Lal R/o Bhairav Ka Mandir, Muzaffar Nagar--(Transferor)
2. Shri Subhash Chand Mittal, Lata Mittal & Bishan Lal o/o Shankar Mithan Bhandari, Ansari Road, Muzaffar Nagar. (Transferee)

3. Shri/Smt. Do- [Person(s) in occupation of the property].
4. Shri/Smt. Do- (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property No. 80/1 to 80/4

Sarbat Gate, Muzaffarnagar

H. R. DASS, Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
(Acquisition Range), Kanpur

Date : 14-1-1986

SEAL

* Strike off where not applicable.

M.D. 285/85-86.—Whereas, I, H. R. Das being the Competent Authority authorised by the Central Government in this behalf under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 80/1 to 80/4 situated at Sarbat Gate (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffar Nagar under Registration No. 5492, 4849, 4640 & 4847 date April 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the

